

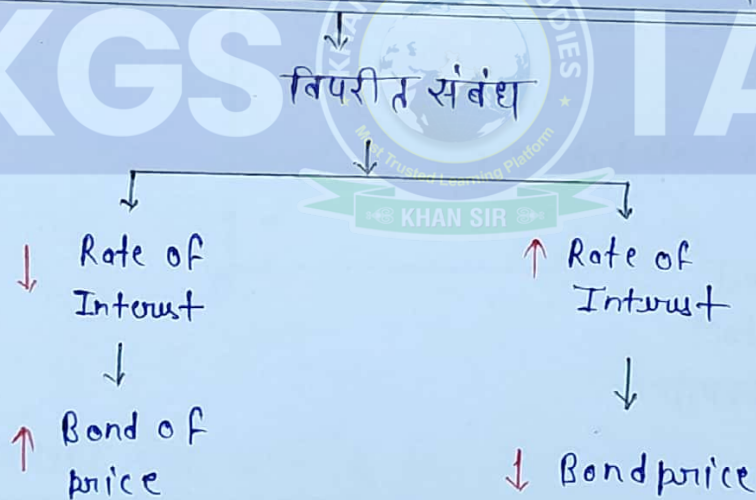
Perpetual Bonds

ऐसे बॉन्ड जो कभी expire नहीं होते हैं। हालांकि इनमें ब्याज दर का उल्लेख होता है।

इस प्रकार, ये Hybrid capital जुटाने के उपकरण होते हैं।

कभी भी expire नहीं होने के कारण ये सक्रिय का गुण रखते हैं लेकिन ब्याज दर होने के कारण ये क्रय का गुण भी रखते हैं।

बॉन्ड की कीमत और बाजार की ब्याज दर में संबंध



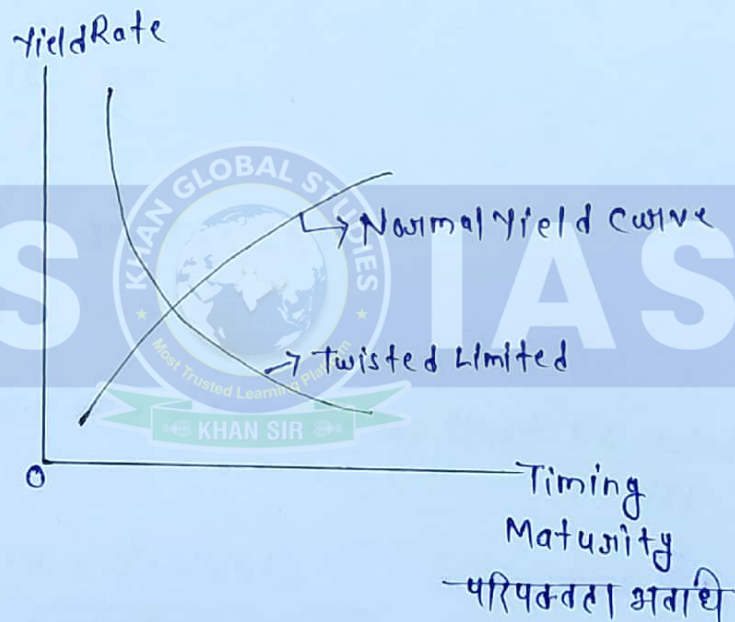
* M-Cap - Market Capitalisation :-

बाजार पूंजीकरण किसी स्टॉक एक्सचेंज के स्तर पर होने वाले कुल कारोबार का स्तर है।

Yield Rate (सीलड रेट) :-

$$\frac{\text{Absolute Return} \times 100}{\text{Market price of a Bond}}$$

Yield Curve



महत्वपूर्ण शेयर सूचकांक :-

1. SENSEX - Sensitive Index

या

S & P BSE-30 Index

(i) भारत का पहला वित्तीय सूचकांक

~~Standard & Poor~~ $\Rightarrow$ S & P

(ii) शुरु - January 1986

(iii) आधार तिथि - 1 अप्रैल 1979

(iv) आधार मूल्य - 100

(v) सम्मिलित कंपनियों की संख्या - Top most ^{M-cap} 30
Listed on BSE

(vi) Similar to - DJIA

Dow Jones Industrial Average Index

2. NIFTY = NSE - 50

↓

(i) आधार तिथि - 30 नवंबर 1995

(ii) आधार मूल्य - 1000

(iii) सम्मिलित कंपनियों की संख्या - Top Most 50 Listed on NSE

Volatility Index - India vix

- NSE द्वारा तैयार किया जाता है।
- जाने वाले 30 दिनों की सम्भावधि में होने वाले उतार-चढ़ावों के संभावित स्तर को दिखाता है।
- इसका मूल्य प्रतिशत में होता है।

• यदि इसका मूल्य बढ़ता है तो उतार-चढ़ावों के उच्च स्तर का अनुमान लगाया जाता है।

इसी प्रकार, यदि इसका मूल्य कम होता है तो
उतार-चढ़ावों के कम स्तर को अनुमानित किया
जाता है।

Note:-

वर्तमान में इसका कुछ स्तर पिता का एक
विषय बना हुआ है। वर्तमान में इसका स्तर
११% के Range में चल रहा है।

KGS IAS

